“सच्ची खोज अच्छी खबर”

# ज्ञान सरोवर

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 16 अंक : 21 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 06 जून से 12 जून, 2024 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

**आईये सुनते हैं भगवत गीता की शिक्षा... एक कहानी के रूप में**

आज बुरा समय है तो कल अच्छा जरूर आएगा, आज अंधेरा है, कल सवेरा जरुर आएगा जीवन में निराश मत होईये शान्त और सुखी जीवन जीने की कला... भगवत गीता जरूर पढ़ें

## 8 जून को पीएम पद की शपथ ले सकते हैं मोदी, 17वीं लोकसभा को भंग करने की हुई सिफारिश

नईदिल्ली। नरेंद्र मोदी एनडीए के प्रधानमंत्री के रूप में 8 जून की शाम को शपथ ले सकते हैं। बताया जा रहा है कि शपथ ग्रहण समारोह को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। वहीं, केंद्रीय कैबिनेट ने 17वीं लोकसभा को भंग करने की सिफारिश की है। यह निर्णय हाल ही में संपन्न चुनावों के बाद नई सरकार के गठन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत के चुनाव आयोग ने बुधवार को सभी 543 लोकसभा सीटों के नतीजे घोषित कर दिए, जिन पर 19 अप्रैल से 1 जून तक मतदान हुआ था, जिसमें कांग्रेस ने 99 निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल की और भाजपा ने

240 सीटें हासिल कीं, जो बहुमत के आंकड़े 272 से कम है। अंतिम परिणामों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं, बावजूद इसके कि भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) विपक्ष के आश्चर्यजनक रूप से मजबूत प्रदर्शन के सामने उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। भाजपा को उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख राज्यों में भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। 2024 के नतीजे उन 303 और 282 सीटों से बहुत दूर थे, जो भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने 2019 और 2014 में अपने दम पर बहुमत हासिल करने के लिए जीती थीं।

## शेयर बाजार में तूफानी तेजी, सेंसेक्स 1,400 अंक से ज्यादा उछला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार के कारोबारी सत्र में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। दोपहर 12:30 बजे तक सेंसेक्स 1,483 अंक या 2.06 प्रतिशत बढ़कर 73,581 अंक और निफ्टी 474 अंक या 2.17 प्रतिशत बढ़कर 22,359 अंक पर था। बता दें, मंगलवार को चुनाव के परिणाम एग्जिट पोल अनुमान के मुताबिक न आने के कारण भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट हुई थी। सेंसेक्स और निफ्टी 6 प्रतिशत फिसलकर बंद हुए थे। लेकिन बुधवार को बाजार में चौतरफा खरीददारी देखने को मिल रही है। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स इस तेजी को लीड कर रहा है और इसमें 4.5 प्रतिशत की बढ़त बनी हुई है। फिन सर्विस, मेटल, फार्मा, आईटी और ऑटो इंडेक्स में 3.5 प्रतिशत तक की तेजी है। केवल निफ्टी पीएसयू बैंक और पीएसई ही लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। इंडिया विक्स में रिकॉर्ड 27 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है और यह 19.62 अंक पर पहुंच गया है। सेंसेक्स पैक में एचयूएल, एमएंडएम, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक टॉप गेनर्स हैं।

## महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले का सम्मान किया गया’

मुंबई– महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले के नेतृत्व में महाराष्ट्र में कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में मिली सफलता एवम उनके जन्म दिवस के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन, दादर पर आयोजित कार्यक्रम में मुंबई के वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. बाबुलाल सिंह, उत्तर भारतीय सेल महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव डॉ. सचिन सिंह,सचिव शरीफ खान, समाज सेवक मैथ्यु चेरियन ने शाल पुष्प गुच्छ एवम मिठाई खिलाकर केक काट कर सम्मान किया। और उन्हे आगामी विधान सभा चुनाव में अधिकाधिक विधायक चुन कर लाने एवम कांग्रेस के भावी मुख्य मंत्री पद हेतु अग्रिम शुभ कामनायें प्रदान किया।

## जलवायु परिवर्तन से जीवन और आजीविका प्रभावित हो रही: राष्ट्रपति

नईदिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से हमारा जीवन और आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं और स्थिरता पर आधारित एक बेहतर और हरित विश्व के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है। सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में

उन्होंने कहा कि धरती की रक्षा करना हर किसी की मौलिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, ‘‘हम प्राकृतिक संसाधनों के मालिक नहीं बल्कि संरक्षण करने वाले हैं। जलवायु परिवर्तन से हमारा जीवन और आजीविका प्रभावित हो रही है, खासकर कमजोर समुदायों के लिए। आइए हम स्थिरता पर आधारित एक बेहतर और हरित विश्व के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करें।’’ हर साल पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

## मुंबई के 4 निर्वाचित सांसदों के समर्थन में मुलुंड में जल्लोष

मुंबई। इंडिया गठबंधन के मुंबई में 4 संसद सदस्यों क्रमशरू संजय दीना पाटील, सौ वर्षा गायकवाड, अरविंद सावंत, अनिल देसाई, को मुंबई करों द्वारा भारी बहुमतों से विजयी बनाने पर मुलुंड कांग्रेस कार्यालय पर जल्लोष कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस कार्यालय पर किया गया।

इस अवसर पर मुंबई कांग्रेस के महासचिव सुनील गंगवानी, महाराष्ट्र कांग्रेस उत्तर भारतीय सेल के महासचिव डॉ.सचिन सिंह, सचिव शरीफ खान,कांग्रेस नेता राजन उटवाल,अजय शर्मा, प्रकाश जायसवाल, रईस खान, उमेश टपाल हनुमंत थोरात, तुलसीदास शिंदे, विदूर सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं नें पटाखे फोड़कर, मिठाई वितरित कर जल्लोष मनाया और मुंबई के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. बाबुलाल सिंह, डॉ.आर.एम.पाल, मैथ्यु चेरियन अविनाश पाठक ने सभी नव निर्वाचित संसद सदस्यों को बधाई दिया एवम मतदाताओं का अभिनंदन किया है।

# बहुत–ही–सटीक–विश्लेषण

नदी से – पानी नहीं, रेत चाहिए।
पहाड़ से – औषधि नहीं, पत्थर चाहिए।
पेड़ से – छाया नहीं, लकड़ी चाहिए।
खेत से – अन्न नहीं, नकद फसल चाहिए।
उलीच ली रेत, खोद लिए पत्थर,
काट लिए पेड़, तोड़ दी मेड़।
रेत से पक्की सड़क , पत्थर से मकान बनाकर लकड़ी के नक्काशीदार दरवाजे सजाकर
अब भटक रहे हैं।
सूखे कुओं में झाँकते,
रीती नदियाँ ताकते,
झाड़ियां खोजते लू के थपेड़ों में,
बिना छाया के ही हो जाती सुबह से शाम।
और गली–गली ढूंढ़ रहे हैं आक्सीजन।
फिर भी सब बर्तन खाली
सोने के अंडे के लालच में, मानव ने मुर्गी मार डाली।
आगामी बरसात के मौसम में 5 पेड़ लगाने की व्यवस्था करें।
धन्यवाद

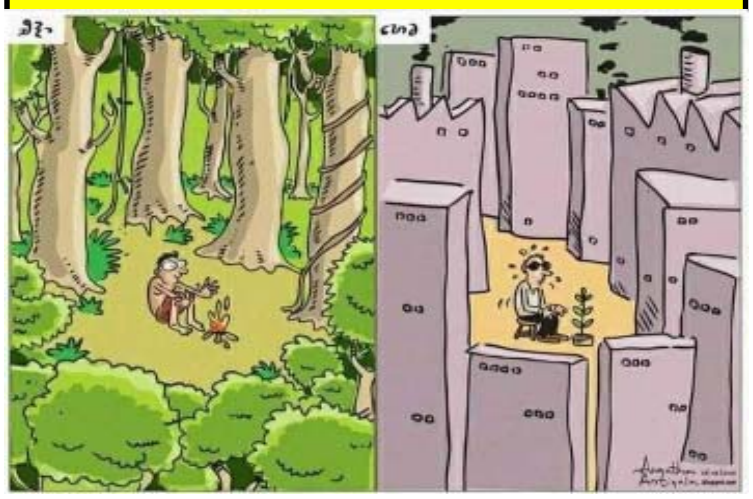

# वृक्ष लगाने का मनुष्य के जीवन में महत्व

10 कुँओं के बराबर एक बावड़ी, 10 बावड़ियों के बराबर एक तालाब, 10 तालाब के बराबर 1 पुत्र एवं 10 पुत्रों के बराबर एक वृक्ष है।

जीवन में लगाए गए वृक्ष अगले जन्म में संतान के रूप में प्राप्त होते हैं।

(विष्णु धर्मसूत्र 19/4)

जो व्यक्ति पीपल, नीम अथवा बरगद का एक, चिंचिड़ी (इमली) के 10, कपित्थ, बिल्व अथवा ऑवले के तीन और आम के पांच पेड़ लगाता है वह सब पापों से मुक्त हो जाता है। ( भविष्य पुराण)

पौधारोपण करने वाले व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

शास्त्रों के अनुसार पीपल का पेड़ लगाने से संतान लाभ होता है।

अशोक वृक्ष लगाने से शोक नहीं होता है।

पाकड़ का वृक्ष लगाने से उत्तम ज्ञान प्राप्त होता है।

बिल्वपत्र का वृक्ष लगाने से व्यक्ति दीर्घायु होता है।

वट वृक्ष लगाने से मोक्ष मिलता है। आम वृक्ष लगाने से मनोकामनाएं सिद्ध होती है।

कदम्ब का वृक्षारोपण करने से विपुल लक्ष्मी की प्राप्त होती है।

प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति के अनुसार पृथ्वी पर ऐसी कोई भी वनस्पति नहीं है, जो औषधि ना हो।

–सुनीता शेणॉय

*नीम का पेड़ 55°C से 100°C तक का तापमान सहन कर सकता है। सिर्फ़ एक 12 फुट का पेड़ 3 AC एयर कंडीशनर के बराबर ठंडक पैदा करता है।*

*पेड़ ही जीवन हैं*

*पेड़ एक बहुमूल्य पूंजी है एक पौधा लगाइए जीवन बचाएं अपने साथ अन्य प्राणियों के लिए भी इसे आसान बनाएं!*

(2 जून की रोटी)

ये रोटी ही है जो इंसान
को जीना सिखाती है
ये रोटी ही है जो इंसान
को इंसानियत सिखाती है

ये रोटी ही है जो इंसान
को जानवर बनाती है
ये रोटी ही है जो किसी को भर पेट
तो किसी को भूखा सुलाती

ये रोटी ही है जो किसी को कम
तो किसी को बहुत रुलाती है
ये रोटी ही है जो अपने
गैर मे फर्क बताती है

ये रोटी ही है जो इंसान
की हैसियत बताती है
ये रोटी ही है जो इंसान
को मजबूर कर देती है
ये रोटी ही है जो अपनो से
अपनों को दूर कर देती हैं

(अवधेश यदुवंशी)

# देशभर के क्वियर एल.जी.बी.टी. सहित किन्नर समाज के प्रतिभावंत प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे

## भारत में प्रथम बार तृतीय लिंग समाज की कला प्रतिभा और सौंदर्य स्पर्धा का विशिष्ट आयोजन 28 जून को जयपुर में

क्वियर (LGBT) के प्रति लोगो में जागृति निर्माण हो और उनको मान सम्मान प्राप्त हो ये ही इस आयोजन का उद्देश्य है रू ऋषि अजयदास जी महाराज

कार्यक्रम द्वारा जमा हुई राशि का तृतीय पंथ समाज के हितमें उपयोग किया जायेगा रू अर्चना दास जी श्री हरि ग्लोबल वैष्णव एसोसिएशन तथा खनक चित्रा एंटरटेनमेंट का विशिष्ट मनोरंजक आयोजन देखने के लिए देश के कोने कोने से लोग आएंगे

जयपुरः तृतीय पंथ समाज की कला प्रतिभा एवं सौंदर्य स्पर्धा के साथ उनकी संस्कृति को मंच पर लाकर उन्हें उचित अवसर प्रदान करने के लिए ट्रांस LGBT इंडिया गॉट टैलेंट शो एंड ब्यूटी कॉन्टेस्ट देश में पहली बार जयपुर में 28 जून 2024 को निर्मला ऑडिटोरियम, प्रताप नगर, सैक्टर 17 में होने जा रहा है ऐसा आयोजक श्री हरि वैश्विक वैष्णव संस्थान के अध्यक्ष ऋषि अजयदास जी महाराज ने बताया हैं।

क्वियर–एलजीबीटी (लेस्बियन, गे, बाय सेक्सुअल, ट्रांसजेंडर) के समुह के एक से एक सुंदर प्रतिनिधि

देश के सभी प्रदेशों से बढ़चढ़ कर भाग ले रहे है। जिनमें संस्कृत मंत्रोच्चारण करनेवाले तथा अंग्रेजी के निष्णात किन्नर भी होंगे। समग्र आयोजन को देखने के लिए देश के कोने कोने से लोग आएंगे।

किन्नर समाज की अस्मिता की भव्यता को पुनः स्थापित करने के लिए पिछले दशक के पुर्व से ऋषि अजयदास जी महाराज महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। किन्नर अखाड़े के गठन में उनका महत्वपूर्ण योगदान है। इस दिशा में इन्होंने कई सिद्धियां भी हासिल की हैं। वे आध्यात्मिक गुरु है तथा इन्होंने तीन संशोधनात्मक किताबे लिखी है। मध्यप्रदेश में पर्यावरण आंदोलन का भी नेतृत्व किया है। सामाजिक और राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर उनके द्वारा उज्जैन, जयपुर और दिल्ली मे अनेक प्रवृतियां विभिन्न अवसरों पर होते रहती हैं।

जयपुर में होनेवाले इस अनोखे आयोजन के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी खानक चित्रा एंटरटेनमेंट की डायरेक्टर अर्चना दास जी निभा रही है । वे जानीमानी फैशन डिजाइनर और सामाजिक कार्यकर भी है। अर्चना दास जी ने पिछले दशक से अनेक सफल प्रोजेक्ट निर्माण किए हैं। जिन में फागोत्सव, माता पुत्री का फैशन शो, बच्चों का गाने के साथ साथ नृत्य और मॉडलिंग का फैशन शो तथा मिस एंड मिसिस फैशन शो के सफल आयोजन का समावेश होता है। इस अवसर पर अर्चना दास जी ने कहा कि मेरे लिए यह अत्यंत खुशी की बात है, कि मेरे बैनर को इतने विशेष कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौपी गई है। इस कार्यक्रम से जो भी राशि एकत्रित होगी वो देश विदेश के इस तृतीय लिंग के विशेष समूह के हितार्थ इस्तेमाल की जायेगी।

जयपुर में मोती डूंगरी के बड़े गणपति से आर्शीवाद लेकर इस आयोजन का शंखनाद पोस्टर विमोचन के माध्यम से आगाज किया गया। इस आयोजन का पोस्टर अनावरण के समय विभिन्न क्षेत्र के अग्रणी अतिथि गण नीतू जैन, दीपक ताम्बी, मोनिका चौधरी, अर्चना दास, आर्यन जैन, गणेश बोहरा, राकेश शर्मा, नंदकिशोर शर्मा , अनाया चौधरी की उपस्थिति में किया गया।

ऋषि अजयदास जी ने कहा की सनातन धर्म के ग्रंथो में किन्नर समाज का गौरव, उनकी विशिष्ट शक्तियां, देवताओं के दरबार में उनके स्थान का एतिहासिक वर्णन है लेकिन आज ये परम्परा नष्ट हो चुकी हैं।

भारत और विश्व में LGBTQ के विशेष समूह की जीवन जीने की शैली बेहतर हो, उन्हें उनके अधिकार प्राप्त हो तथा उनके प्रति लोगों में जागृति आए , किन्नर समाज को पुनः मानसम्मान प्राप्त हो, वे आत्मनिर्भर बने ये ही इस आयोजन का उद्देश्य है।

सोलाह शृंगार पर आधारित इस मनोरंजक कार्यक्रम में qlgbt ( समलैगिंक, उभयलिंगी, परलैंगिक, विशिष्ट किन्नर) सहित

तृतीय पंथ के विशेष समूह द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों के पोशाक परिवेश की विशिष्टता, गीत संगीत, नृत्य, फैशन वॉक, सौंदर्य स्पर्धा की विविध मनोरंजक आइटम होगी।

इस अवसर पर सेल्फी बूथ भी होंगे। विजेताओं को तथा महत्वपूर्ण योगदान देनेवालोको अवार्ड भी दिए जाएंगे।

ऋषि अजयदास जी तथा अर्चना दास जी ने बताया की LGBTQ के विशेष समूह के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में हिस्सा लेना चाहते है या कोई छोटा या बडा स्पॉन्सर ईस आयोजन से जुड़ना चाहता हो या कोई अन्य सामाजिक संगठन ईस मानवतावादी कार्यक्रम में किसी तरह सहयोग करना चाहता हो तो वे तुरंत मोबाइल नंबर 9588204634 तथा 8000452606 पर अथवा www-khanakchitra.co.in पर संपर्क करें। इस आयोजन में हिस्सा लेनेवालों में से पसंदीदा लोगो को आनेवाली फिल्म डेरा में भूमिका दी जाएगी। थाइलैंड में आयोजित होनेवाले इंडो थाई ट्रांस सांस्कृतिक आदानप्रदान कार्यक्रम के लिए भी पसंद किया जायेगा।

# अहमदाबाद का भद्रकाली मंदिर ....

यूं तो सभी मंदिर भक्तों की आस्था के केन्द्र हैं, लेकिन कुछ ऐसे मंदिर भी हैं जो अनेक पौराणिक कथाओं को समेटे हुए हैं। उन्हीं में से एक है भद्रकाली माता का मंदिर (अहमदाबाद) । शहर के बीचो बीच बसे इस मंदिर को नगरदेवी के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि माता भद्रकाली में शक्ति के तीनों रूप समाहित हैं। महाकाली, महालक्ष्मी एवं सरस्वती का संगम है – माता भद्रकाली. पौराणिक कथाओं के अनुसार पाटण के राजा एवं गुजरात राज्य की स्थापना करने वाले राणा कर्णदेव ने आशावल के भील राजा को हराकर

कर्णावती नगरी की साबरमती नदी के किनारे स्थापना की थी। नगर की स्थापना के भागरुप उन्होंने सर्वप्रथम राजदेवी मां भद्रकाली की स्थापना की थी। ई. स. १४५५ में जब अहमदशाह बादशाह ने कर्णावती नगरी के विस्तार में अहमदाबाद शहर वसाया तो एक किला बनाया था, जो भद्र किले के रूप में प्रसिद्ध है। यह मंदिर सल्तनतयुग, मुगल युग, मराठा युग एवं ब्रिटिश युग आदि का साक्षी रहा है। मुझे भी यह देखने का अवसर मिला ...

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार – सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)...

# दीन दुखियों की सेवा करो और सभी से प्रेम, ताकि आपको परमात्मा को ढूँढने कहीं दूर न जाना पड़े

हमारे जीवन की विचित्रिता तो देखिये ! हम तीर्थ स्नान के लिये कोसों दूर जाते हैं और पड़ोस का कोई दुखियारा केवल इस कारण मर गया कि उसे एक घूँट जल न मिल सका।

हम बड़े–बड़े भंडारे लगाने मीलों दूर जाते हैं और मुहल्लों के कई किशोर– किशोरियाँ पढने– लिखने की उम्र में सिर्फ इसलिए अमानवीय व्यवहार सहकर भी रात– दिन मजदूरी करते हैं ताकि उनके परिवार को कम से कम एक वक्त तो भर पेट भोजन मिल सके। इसी समाज में एकनाथ और नामदेव जैसे चौतन्य पुरुष प्रकट हुए, जिन्हें पशु में ही पशुपति नाथ और कुत्ते में ही कुल देव के दर्शन हो गये।

कहने का तात्पर्य है कि हम निस्वार्थ, प्रेम, दया, करुणा, त्याग और क्षमादान के साथ सदैव दीनहीन, जरूरतमंद, अनाथ, निसहाय तथा रोगियों की सेवा में खड़ा रहें यही मानव जीवन का सार हैं।

# सम्पादकीय...

## सावधान, आगे मुश्किल मोड़ है! और विफल हो चुकी है पहले वाली सोशल इंजीनियरिंग

यह विकट चुनाव था और शुद्ध रूप से मोदी की गारंटी की केंद्रीय सत्ता के इर्द–गिर्द लड़ा गया था। इसमें क्या संदेह है कि नरेंद्र मोदी ने अपने समय में एक फिनामिना को जन्म दिया है। 2014 में जब उनका पहला चुनाव था,घ्तो परिस्थितियों में एक तात्कालिकता थी, धारणा से उपजी प्यास थी। इसलिए वे कथा–कहन के हिसाब से सबसे अच्छे श्स्टोरी टेलरश थे और सबसे ज्यादा शेयर की जाने वाली कहानी। एक, आशा ने उनके रास्ते अपना रास्ता तलाशा। दूसरे, चुनाव में उस पहले के आभासी बिम्ब पर मुहर का मौका था। तीसरा, चुनाव उनके एक श्कल्टश की शक्ल में स्थापित हो जाने के बाद का चुनाव था। फैसलों की तेजी और निर्णायक दृढ़ताघ्ने उनकी व्यक्तिगत अपील को अंततरू मोदी की गारंटी में तब्दील कर दिया। वह एक श्स्वंयसेवकश थे और अपनी पार्टी के मूल संकल्पों को पूरा करने में उन्होंने राजनीतिक शक्ति का रणनीतिक उपयोग किया। इस तरह रचे गए मुहावरे ने उन्हें ढेरों भक्त दिए, और विरोधी भी। विरोध का स्तर यह था कि उनकी विफलता की कामना ही कई लोगों के जीवन की साध बन गई। ताजा चुनाव में जो विपक्षी गठबंधन बना, वह ढीला–ढाला गठबंधन था, जिसका केंद्रीय बंधु तत्व मोदी–विरोध ही था। ईडी, तानाशाही, बेरोजगारी, मोहब्बत के श्लोक थे। अगर ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि क्षेत्रीय पार्टियों ने एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस को इतना कम स्पेस दिया किघ्वह दबाव बनाने की स्थिति में न रह सके। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में, राष्ट्रीय जनता दल बिहार में और एनसीपी–शिवसेना महाराष्ट्र में कांग्रेस को पहली पायदान पर कुछ कैसे दे सकती थीं? रही बात श्आपश और श्टीएमसीश की, तो वे पंजाब–पश्चिम बंगाल में समझौते से दूर ही रहीं। कम्युनिस्ट पार्टी का समर्थन भी इससे कुछ अलग नहीं था। साफ है कि राज्यों में, वहां के भावी विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय वर्चस्व बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है और उन्होंने इस चुनाव के दौरान यह जमीन तैयार करने की पूरी कोशिश की है। उत्तर प्रदेश ऐसा ही एक उदाहरण है, जिससे समझा जा सकता है कि सोशल इंजीनियरिंग का कथित मुहावरा कैसे काम करता है। पहले मोदी–शाह ने क्रीमी लेयर वाली जातियों से त्रस्त छोटी–छोटी जातियों के समूहों को इकट्ठा कर नया समर्थक समूह बनाया था। इस बारघ्सपा ने उम्मीदवारों के चयन में भी यह मानकर कि मोदी विरोध में मुस्लिम और परंपरागत यादव वोट तो हर हाल में उसके साथ आएंगे,जातीय पहचान के रणनीतिक प्रयोग किए। दलितों कोघ्जब लगा कि बसपा ने हथियार डाल दिए हैं, तो उनके वोट भी आरक्षण की बात करने वाले श्इंडियाश को शिफ्ट हो गए। इस तरह भाजपा जिस श्सोशल इंजीनियरिंगश के भरोसे पहले जीती थी, वह विफल हो गई। विशेषज्ञों का कहना है कि जाटों ने हरियाणा और राजस्थान में और राजपूतों ने उत्तर प्रदेश में राजनीतिक आकांक्षाओं के खाते से झटके को अपना योगदान दिया है। यह उस ओर इशारा करता है कि एकल हिंदुत्व की पुकार कैसे जातीय समीकरणों और स्थानीय यथार्थ में गुम हो जाती है। तभी तो राम मंदिर वाले अयोध्या तक में, फैजाबाद सीट सपा की झोली में गिरी है। अलबत्ता मध्य प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा समेत कुछ इलाकों से भाजपा को बड़ी सहायता मिली। यह तथ्य बताने के लिए काफी है कि आकांक्षाओं और राजनीतिक वास्तविकताओं का भूगोल व मनोविज्ञानघकिस तरह काम करता है। या, कैसे फॉर्मूलाबद्ध आदर्श अवधारणाएं हवा हो जाती हैं। तीखा, अर्थहीन मुहावरों के साथ शुरू हुआ यह चुनाव आखिर में संदेह पर समाप्त हुआ था। संदेह को एक मुद्रा की तरह चलाया गया। जैसा कि सूजी कासेम की उक्ति शुरू में कही गई है–संदेह जितने सपनों की हत्या करता है उतनी तो नाकामियां भी नहीं करती। इस लिहाज से यह चुनाव मुद्दों से उठकर श्अलंकारिकश और श्घात–प्रतिघातश का चुनाव बन गया। अब जब परिणाम आ गए हैं, शायद संदेह के सौदागर भी शांत होंगे और ईवीएम भी चौन की सांस लेगी। और हां, सबसे बड़ी घटना भारत के जीतने की, जम्मू–कश्मीर में हुई जहां पैंतीस साल बाद पहली बार 58 प्रतिशत से ज्यादा का मतदान हुआ। ताजा नतीजों ने फिर साझा सरकार के दिन लौटा दिए हैं। बकौल फ्रेंज़ काफ्का, रास्ते, चलने से ही बनते हैं। पर आगे मुश्किल मोड़ हैं। प्रधानमंत्री जो श्क्रांतिकारीश फैसले पहले सहज ढंग से कर सकते थे, अब वह सब उतना आसान नहीं रह जाएगा। सभी राजनीतिक चुनौतियां और ज्यादा जटिल होकर सामने आएंगी। समझौते और प्रहसन खड़े होंगे।

# भक्त निर्धन क्यों होते हैं

*नित्य एक प्रेणादायक कथा–कहानी कभी कभी स्वास्थ्य व औषधीय ज्ञान के लिए सुनो तो जरा कम्युनिटी को **join** करें।*

एक बार नारद जी ने भगवान से प्रश्न किया कि प्रभु आपके भक्त निर्धन क्यों होते हैं? भगवान बोले – नारद जी ! मेरी कृपा को समझना बड़ा कठिन है।

इतना कहकर भगवान नारद के साथ साधु भेष में पृथ्वी पर पधारे और एक सेठ जी के घर भिक्षा मांगने के लिए द्वार खटखटाने लगे। सेठ जी बिगड़ते हुए द्वार की और आए और देखा तो दो साधु खड़े हैं।

भगवान बोले – ष्भैया ! बड़े जोरों की भूख लगी है। थोड़ा सा भोजन मिल जाए।ष सेठ जी बिगड़कर बोले ष्तुम दोनों को लाज नहीं आती। तुम्हारे बाप का माल है ? कर्म करके खाने में लाज आती है, जाओ–जाओ किसी होटल में भिक्षा मांगना। नारद जी बोले – देखा प्रभु ! यह आपके भक्तों और आपका निरादर करने वाला सुखी प्राणी है। इसको अभी शाप दीजिये। नारद जी की बात सुनते ही भगवान ने उस सेठ को अधिक धन सम्पत्ति बढ़ाने वाला वरदान दे दिया।

इसके बाद भगवान नारद जी को लेकर एक बुढ़िया मैया के घर में गए। जिसकी एक छोटी सी झोपड़ी थी, जिसमें एक गाय के अलावा और कुछ भी नहीं था। जैसे ही भगवान ने भिक्षा के लिए आवाज लगायी, बुढ़िया मैया बड़ी खुशी के साथ बाहर आयी।

दोनों सन्तों को आसन देकर बिठाया और उनके पीने के लिए दुध लेकर आयीं और.. बोली – ष्प्रभु ! मेरे पास और कुछ नहीं है, इसे ही स्वीकार कीजिये।

भगवान ने बड़े प्रेम से स्वीकार किया। तब नारद जी ने भगवान से कहा – ष्प्रभु ! आपके भक्तों की इस संसार में देखो कैसी दुर्दशा है, मेरे पास तो देखी नहीं जाती।

यह बेचारी बुढ़िया मैया आपका भजन करती है और अतिथि सत्कार भी करती है। आप इसको कोई अच्छा सा आशीर्वाद दीजिए।ष भगवान ने थोड़ा सोचकर उसकी गाय को मरने का अभिशाप दे डाला। यह सुनकर नारद जी बिगड़ गए और कहा – प्रभु जी ! यह आपने क्या किया ? भगवान बोले – यह बुढ़िया मैया मेरा बहुत भजन करती है। कुछ दिनों में इसकी मृत्यु हो जाएगी और मरते समय इसको गाय की चिन्ता सताएगी कि.. मेरे मरने के बाद मेरी गाय को कोई कसाई न ले जाकर काट दे, मेरे मरने के बाद इसको कौन देखेगा ? तब इस मैया को मरते समय मेरा स्मरण न होकर बस गाय की चिन्ता रहेगी और वह मेरे धाम को न जाकर गाय की योनि में चली जाएगी।

उधर सेठ को धन बढ़ाने वाला वरदान दिया कि मरने वक्त धन तथा तिजोरी का ध्यान करेगा और वह तिजोरी के नीचे साँप बनेगा। प्रकृति का नियम है जिस चीज मे अति लगाव रहेगा यह जीव मरने के बाद वही जन्म लेता है ओर बहुत दुख भोगता है..अतः अपना चिंतन प्रभू की और अधिक रखे !

आपका दिन शुभ और मंगलमय हो

---

उनका कष्ट चुनाव के समय साधना करने को लेकर नहीं है...
उनका कष्ट कैमरे लेकर रुसाधना करने से भी नहीं है...
उनका कष्ट यह है कि वह साधना कर रहा है, सजदा नहीं!
उन्हें कष्ट तब भी था जब वह मंत्र पढ़ते हुए गंगा जी में डुबकी लगा रहा था...
उन्हें कष्ट तब भी था जब वह फ्रांस–जापान के प्रधानमंत्री से गंगा आरती करवा रहा था...
तब तो कोई चुनाव न था.
उन्हें कष्ट तब भी था जब वह संसद की सीढ़ियों पर दंडवत हो रहा था...
उन्हें कष्ट तब भी था जब वह रामलला के सामने नतमस्तक हो रहा था...
तब तो कोई चुनाव न था.
उन्हें कष्ट तब भी था जब वह विदेश यात्रा के दौरान पूरे भक्ति भाव से नवरात्र के व्रत का पालन कर रहा था...
उन्हें कष्ट तब भी था जब वह रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के पहले 11 दिन का कठोर व्रत पालन कर रहा था...
तब तो कोई चुनाव न था.
उनको कष्ट तब भी था जब वह गौ माता को चारा खिला रहा था...
उनको कष्ट तब भी था जब वह मयूर को दाने डाल रहा था...
तब तो कोई चुनाव न था.
उनको कष्ट तब भी था जब वह संसद में राजदंड (सेंगोल) स्थापित कर रहा था...
उनको कष्ट तब भी था जब वह संसद के ऊपर राजचिन्ह स्थापित कर रहा था...
तब तो कोई चुनाव न था.
सुनो सेकुलरो...
इफ्तार की हड्डियां चूसते, मजार पर माथा रगड़ते नेताओं से तुम्हे कोई कष्ट न था, न है, न रहेगा...
बस कोई नेता अपने हिंदू होने का सार्वजनिक प्रदर्शन कर देगा तो तुम्हारा गैंग उस पर टूट पड़ेगा...
भारत की जनता तुम्हारा हिंदू विरोधी चेहरा समझ गई है, अब करारा जवाब मिलेगा, जरूर मिलेगा.

# ये चुनाव परिणाम सच में चमत्कारी है और सबके लिए सबक भी

दो महीने की लम्बी जद्दोजहद के बाद आखिर में 4 जून को चुनाव परिणाम आ ही गया।

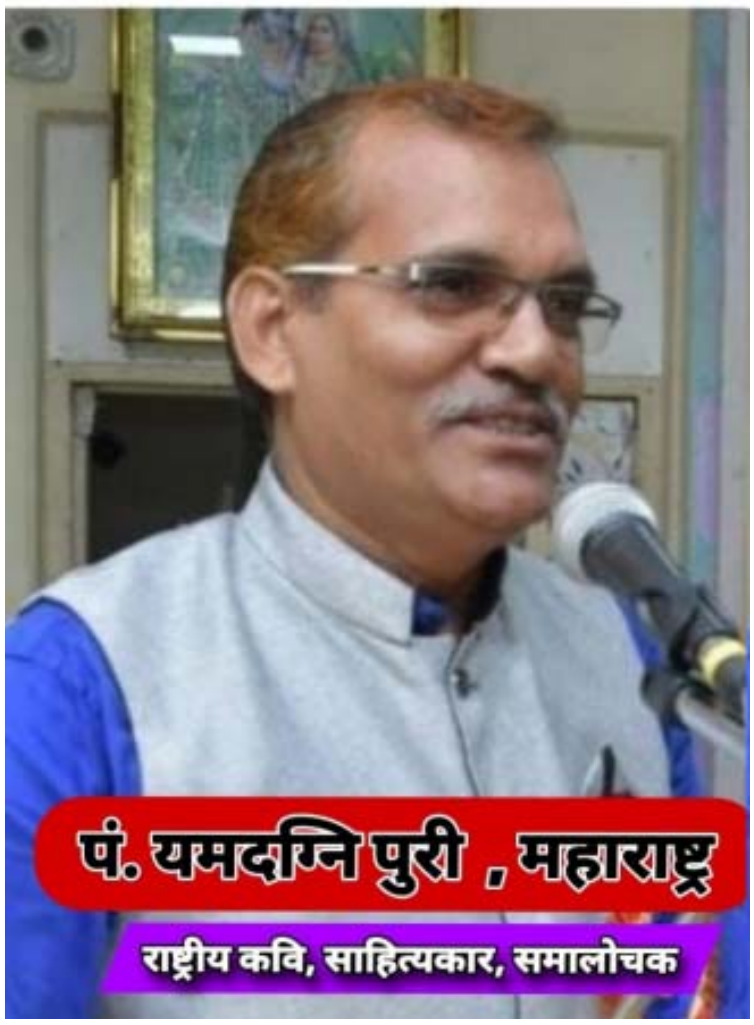


इस बार जो परिणाम आया देखकर सभी भौचक रह गये।बड़ा ही चमत्कारी रहा।जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी,वो हुआ।चलिए कुल मिलाकर परिणाम तो आ गया।अब मंथन करने का समय है।सरकार का भी और विपक्ष का भी।और साथ में राजनीतिक विश्लेषकों का भी।सरकार का इसलिए कि कहाँ चूक हुई जो सीटें कम आई।विपक्ष का इसलिए कि पर्याप्त संख्या क्यों नहीं मिल पाई।और राजनीतिक विश्लेषकों का भी कि उनके विश्लेषण में कहाँ चूक हुई।क्या वे भी इसबार जनता की नब्ज सही ढंग से नहीं टटोल पाये।नहीं टटोल पाये तो क्यो?

ये तो रही उनकी बात जो लड़े जीते हारे,और विश्लेषकों की जो टीवी पर बैठकर ज्ञान बघारे। अब बात करते हैं,सरकार की सीटें घटी क्यों? सबसे पहली जो मुख्य बात है वो ए कि सरकार अति आत्मविश्वास में अपने कोर वोटरों को दरकिनार रखी।उनके लिए कोई भी ढंग के काम नहीं की।अपने पुराने कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर आयातित लोगों को टिकट देना।और उन वोटरों पर विशेष ध्यान देना,उनके लिए विभिन्न योजनायें चलाना, जो जीवन में कभी भी बर्तमान सरकार को वोट नहीं देंगे।जैसे मुसलमान अपने दीन से हटकर कुछ सोंचता ही नहीं।उसको चाहे जितनी सुख सुविधायें दे दो,यदि उसको अपने दीन पर खतरा दिखेगा तो वह कत्तई खतरा उत्पन्न करने वाले के साथ नहीं जायेगा।बर्तमान सरकार इसी मुगालते में रह गई कि हमने मुसलमानों के लिए बहुत काम किया है,मुसलमान हमको वोट करेगा।मगर ऐसा हुआ नहीं।बर्तमान सरकार ने सोंचा कि हमने तीन तलाक खत्म करके मुस्लिम महिलाओं के नारकीय जीवन का बचाव किया है।इसलिए महिलायें मुझको ही वोट करेंगी।यहाँ भी सरकार की सोंच फिसड्डी ही साबित हुई।और मुस्लिम महिलायें ठेंगा दिखाते हुए अपने दीन के साथ ही खड़ी रहीं।बर्तमान सरकार अपने को खूब दलित हितैषी व पिछड़ा हितैषी दिखाती रही।उसके ।लिए बहुत सी योजनायें भी शुरू की।उनका भी वोट अपनी जाति से हटकर इधर उधर नहीं हुआ।जिसका परिणाम यह हुआ कि बर्तमान सरकार खासकर भाजपा की सीटें घटकर 250 से भी नीचे चली गई।भाजपा दलित पिछड़ों और मुसलमानों के लिए कुछ भी कर दे।मगर उनके वोट नहीं पायेगी।और उसी के चलते जो उसका है वह भी छिटक जायेगा।और छिटक गया।

जिन राज्यों से बड़ी उम्मीद पाल रखी थी,उन राज्यों में सीटों का कम आना ये दर्शाता है कि वहाँ का कोर वोटर खासा नाराज था।वो या तो बूथ तक गया नहीं।गया तो भाजपा को वोट दिया नहीं।जिसमें खासकर यू पी।जहाँ सरकार को विशेष झटका लगा है।वहाँ दो तीन कारण जो मुख्य हैं,जिसके चलते सीटें घटी,वो रोजगार का मंहगाई का विशेष व जातिगत और धर्मगत रहा।जबसे सरकार आई है एक भी भर्ती सरकारी ढंग से नहीं हुई।जब देखो पेपर लीक।जिसका खामियाजा गरीब युवा भुगत रहा था।उसकी उम्र खासकर सवर्ध्णों की इस पेपर लीक से लीक होकर निकलती जा रही थी,और सरकार मस्त सो रही थी।जिससे भाजपा का कोर वोटर युवा व उसके परिवारीजन खिन्न हो गये।जिसका परिणाम यह हुआ कि उम्मीद से भी बहुत कम सीटें आई।सरकार यदि उपरोक्त विषय पर ध्यान दी होती तो,शायद इस तरह के परिणाम से दो चार नहीं होती।दूसरी बात यदि पेपर लीक भी हो गया तो दूसरी परीक्षा आयोजित करने में लेट लतीफी भी सरकार के अरमानो पर पानी फेरा है।युवाओं में यह बात घर गई की सरकार की रोजगार देने की मंशा ही नहीं है।जिसे खुद पेपर लीक कराके बच रही है।एक गरीब बेरोजगार से सरकार द्वारा 500/- रुपये फार्म का लेना भी सरकार का बेरोजगारों पर अत्याचार है।एक तो रोजगार नहीं।ऊपर से 5 से 7 सौ रूपये खर्च कर रोजगार की लालच में जेब का पैसा सरकारी खजाने में देना बहुत अखरता है।उस पर से पेपर लीक हो जाना,शिर मुड़ाते ओले पड़ने जैसा हो जाता है एक गरीब परिवार के लिए।सरकार को चाहिए कि फार्म की फीस घटाकर सौ रूपये कर दे।जिससे गरीबों पर अधिक भार न पड़े।लेकिन सरकार दोहन करने के सिवाय शायद कुछ सोंचती ही नहीं।एक देकर दस लेने की सरकार की आदत सर्वथा उचित नहीं है।

दूसरा सीटें कम आने का जो मुख्य कारण है वह है मंहगाई।कुछ लोगों को मुफ्त में राशन देकर बाकियों पर जो मंहगाई का बोझ डाल दिया।वह भी उन्हीं पर विशेष रूप से प्रभावी रहा जो भाजपा के कोर वोटर थे और हैं।सहयोग कीजिए मगर समान रूप से।एक का सहयोग करने के चक्कर में दूसरे को पीसना सर्वथा गलत है।फिर भी यहाँ वही हो रहा है।मुफ्त के बदले वही कम शुल्क में सबको मिले यही उचित है।आज मंहगाई से मध्यम वर्ग कराह रहा है।क्योंकि वह बीपीएल श्रेणी में नहीं आता।इसलिए उसे मुफ्त का कुछ मिलता तो नहीं है।उल्टे मुफ्त का खामियाजा मंहगाई के तौर पर वह भुगतता है।सरकार कोई भी बने बिगड़े।मगर एक बात सामान्य है।बिगड़ती हमेशा मध्यम वर्ग की ही है।वह बदल बदल के वोट इसलिए करता है कि शायद ए वाली सरकार हमारे लिए कुछ करे।मगर उसके लिए नतीजा वही रहता है,जो विगत में था।सरकारें जितना मुफ्त में बाँटती हैं।उससे अधिक मंहगाई बढ़ाकर मध्यम वर्ग की कमर तोड़ती हैं।इसलिए सरकारों को चाहिए कि मुफ्त की योजनायें न चलाकर वस्तुयें सस्ती करें।

जिससे सबका विकास हो,और सरकार पर सबका विश्वास बने।आज मध्यम वर्गीय जो भाजपा का कोर वोटर था।वह उसके विपरीत वोट किया है तो,कारण उपरोक्त निम्नलिखित बातों की नाराजगी ही है।जिसके लिए भाजपा कुछ राज्यों में पिछड़ गई।और जिसको मुफ्त का सब दिया,उसने भाजपा को वोट नहीं दिया।इसलिए भाजपा की यह दुर्दशा हुई है।

तीसरा कारण जो है वो ए कि विपक्ष अपने वोटरों में उस भय को पूरी तरह बैठाने में कामयाब हो गया कि भाजपा अबकी आई तो संविधान बदल देगी।खासकरके आरक्षण खतम कर देगी।मुसलमानों का जीना हराम कर देगी।आदि आदि।इसलिए उनके वोटर एक होकर वोट किए।जिसके लिए विपक्ष आज मजबूती के साथ उभर गया।कुछ लोग तो,खासकरके महिलायें 8500/- की लालच में वोट उस गठबंधन को दीं।जो गठबंधन है ही नहीं।लालच भी एक मुद्दा बना, जिससे भाजपा की दुर्गति हुई।

कुछ लोगों की धारणा है कि अपना काम बनता भाड़ में जाये जनता।उनको देश की उन्नति से कुछ लेना देना नहीं है।न देश के बारे में सोंचना है।बस मुफ्त की सब वस्तुयें मिलती रहें।यही चाह लिए जी रहे हैं।कुछ लोग देश भी जाये भाड़ में धर्म भी जाये भाड़ में,जाति भी और हम भी जायें भाड़ में।मगर हमारे नेता का कुनबा बढ़ता रहे।जिसका जीता जागता यह चुनाव परिणाम है।जिसने देश को लूटा,वो विजयी,जो देश को उन्नति के शिखर पर ले जा रहा उसे गिराने की कोशिस में लगे हैं।ऐसे ही कई कारण से यह चुनाव परिणाम अचम्भित किया है।विपक्ष को अब विशेष सोंचने की जरूरत नहीं है।क्योंकि उसका लालीपाप कमाल कर दिया है।सोचना तो सबसे अधिक भाजपा को है।वो अपने कोर वोटरों को अपनी तरफ कैसे ले आये।एक कारण और जो है वो भाजपा के सांसदों की अकर्मण्यता बड़बोलापन और पूरी तरह नरेन्द्र मोदी के ऊपर निर्भर रहना।जबकी मोदी जी बार बार सचेत करते रहते थे कि आत्मनिर्भर बनिये।मगर सबके सब मटरगस्ती करते रह गये।और रह रह के बकवास करते रह गये।जिसका नतीजा है यह परिणाम।अति उत्साह में वह बोल गये जो विपक्ष को मजबूती दे गया।जिसको पकड़कर विपक्ष वह ऊँचाई पा गया जिसकी उसको कल्पना तक नहीं थी।कुल मिलाकर भाजपा नेताओं का बड़बोलापन भी इस चमत्कारिक परिणाम के लिए जवाबदार है।

इस चुनाव परिणाम से एक बात तो स्पष्ट हो रही है कि लालच हावी है।लोग करके खाने में विश्वास कम और मुफ्त में अधिक रख रहे हैं।जो पार्टियाँ चुनाव में मुफ्त का प्रलोभन देती हैं।वह सरासर गलत है।सरकार को चुनाव आयोग को इस पर मिलकर एक नियम बनाना चाहिए।जो भी पार्टी मुफ्त का जनता से वादा करेगी।या पैसा देने की बात करेगी उसकी मान्यता रद्द कर दी जायेगी।यह मानते हुए कि यह अप्रत्यक्ष रूप हे घुस है।

और घुसखोरी में आपकी मान्यता रद्द की जाती है।इससे देश की बर्वादी रुकेगी और सर्वसामान्य जन में खुशहाली निर्मित होगी।आज भी बहुत से लोग आदम के जमाने में ही जी रहे हैं।जिनको देश की उन्नति से कुछ लेना देना नहीं है।उनको तो बस अपना नेता देश को लूटकर जितना मोटा हो जाय उसी में खुश हैं।खुद की बरवादी में ही उनको स्वर्गानंद मिल रहा है।यह चुनाव परिणाम यही दर्शा रहा है।

पी.जमदग्निपुरी

# अवश्य मिलेगी जीत

खुशियाँ और कामयाबी न मिलती कभी उधार
केवल देखने से होता नहीं सपना कोई साकार

किसने देखा है अपने लक्ष्य को नजदीक आता
हासिल वही करता जो खुद उसके पास जाता

अपनी बाहें फैलाकर वो आलिंगन को है तैयार
उसकी ओर जाने को किसका तुझे है इन्तजार

रग रग में जोश भरकर तुम कदम बढ़ाना ठोस
भरोसा रखना खुद पर और जगाये रखना होश

आतुरता से देख रही तेरा रस्ता तेरी ही मंजिल
विजयपथ पर चलता जा दूर होगी हर मुश्किल

अगर हौसले बुलन्द हैं तो अवश्य मिलेगी जीत
तेरी विजय के जश्न पर ये दुनिया गायेगी गीत

मुकेश कुमार मोदी
बीकानेर, राजस्थान

स्कूल की परीक्षा की डेट कुछ दिन पहले बताई जाती है।
पर जिंदगी में परीक्षा कभी भी आ सकती है।
इसलिए दुआओं का स्टॉक रखें।

## जय आत्मेश्वर

### आध्यात्मिक यात्रा

आप कितने योग्य हैं, महत्व नहीं,
महत्वपूर्ण है, आपका योगदान।
अपना खुद, मुल्यांकन करिए,
जग को दीजिए,सेवाओं का दान।।

जीवन को समझ, एक रंगमंच,
व्यवहार करो, रह आत्मभाव।
दुख–सुख में तटस्थ, रहना आए,
जीवन पे न करे,समस्या प्रभाव।।

बचपन का मोल, युवा पहचाने,
जवानी का मोल, जाने बूढ़ा।
जहाँ हो, आज जो भी अवस्था है,
कीमत समझो,समय नहीं झूला।।

मन चाकर राखो, धीर धरो,
आत्मा के आधीन, शरीर करो।
नियमित ध्यान,रख स्वीकारी भाव,
मुक्तिधाम यात्रा, सशरीर करो।।

बीमार व्यक्ति, नहीं दौड़ सके,
दौड़ता है केवल, स्वस्थ शरीर।
इन्तजार करते, क्यों बुढ़ापे का,
ध्यान से रचलो, समर्पित तकदीर।।

न किसी के लिए, पलभर रुकता,
समय अपनी गति, चलता रहता।
आज की परिस्थितियाँ, बदलेंगी,
यहीं कर्म का फल, मिलके रहता।।

संकल्प करो, फिर मत तोड़ो,
आत्म शक्ति का, हो जाएगा नाश।
तन के विरोध पर, कर नियंत्रण,
आत्मिक बन,आत्मा के बनो दास।।

सबसे कीमती, ईश्वरीय संपदा,
आपके भीतर, ईश्वर बैठा।
उसका एहसास, जब हो भीतर,
सबकुछ मिलेगा,पूछ अपना पता।।

आज जो घटना, हुई जीवन में,
स्वीकारो उसे, और आगे बढ़ो।
आज का आनन्द, उसमें है निहित,
आनंदित रह, जीवन पथ पे चलो।।

आत्मिक श्रीधर
स्रोत– सद्गुरु कृपा

## जय आत्मेश्वर

### आध्यात्मिक यात्रा

किसी से अपनी, तुलना न करें,
आप जैसे हैं, जग में हैं एक।
ईश्वर ने रचा, आपको अनूठा,
दिया है आपमें, खूबियाँ अनेक।।

अंगूठे की छाप, आभामंडल,
होता हर एक का, अलग–अलग।
सबकी अपनी, पहचान विशेष,
खुदको पहचानो, कर बंद पलक।।

भूतकाल, कड़वी खट्टी यादें,
चित्त करें दूषित,भर भर के जहर।
समर्पित हो, निर्मल करलो चित्त,
प्रेम अमृत चेतन,सहज जाए पसर।

आत्मिक श्रीधर
स्रोत– सद्गुरु कृपा

## जय आत्मेश्वर

### आध्यात्मिक यात्रा

नियमित ध्यान ही,एकमेव साधना,
लक्ष्य जीवन का हो,अपनी आत्मा।
परमानंद वैभव,स्वतह होगा प्राप्त,
ईश्वर से, ईश्वर को मांगना।।

गुरु से मिले ध्यान, जीने की कला,
समर्पण में शुरू, होता सिलसिला।
हमें माध्यम बना,कार्य करें ईश्वर,
धन्यवाद आभार, संस्कार दिला।।

आज जो घटना, हुई जीवन में,
स्वीकारो उसे, और आगे बढ़ो।
आज का आनन्द, उसमें है निहित,
आनंदित रह, जीवन पथ पे चलो।।

आत्मिक श्रीधर
स्रोत– सद्गुरु कृपा

# मुरली कविता

रूहानी रिश्ते से तुम सब आपस में भाई
बनो प्रेम की गंगा न करना कभी लड़ाई

करो विश्व कल्याण बनकर फूल रूहानी
तभी रहेगी हम पे बाप की दृष्टि सुहानी

भाई भाई के भाव वाले लगते बड़े प्यारे
दुनिया के कीचड़ से रहते सदा वे न्यारे

प्यारे तभी लगेंगे जब टूटे देह अभिमान
विकारों का न रहे बुद्धि में नाम निशान

स्थूल वर्से को छोड़ो रूहानी वर्सा पाओ
सच्ची दौलत से खुद को अमीर बनाओ

संगमयुग में बाप का एक यही है कहना
मेरे बच्चों सीख लो मिलजुल कर रहना

ईश्वर की मत पर खुद को फूल बनाओ
दिव्यगुणों की खुशबू चारों और फैलाओ

पूज्य देवता बनो करके पुरूषार्थ भरपूर
बच्चों सदा रहना पांचों विकारों से दूर

प्रेम की दृष्टि रखो और बोलो मीठे बोल
केवल रूहानी वर्से को समझो अनमोल

पुरानी देह और दुनिया की याद भुलाओ
ऐसी वृत्ति अपनाकर राजऋषि कहलाओ

साधनों की अधीनता से मुक्ति को पाओ
वैराग्य के अलौकिक नशे में डूब जाओ

विज्ञान के साधन करो जरूर इस्तेमाल
मगर इनके बिना न बिगाड़ो अपना हाल
ऊँ शांति

मुकेश कुमार मोदी
बीकानेर, राजस्थान

# काव्यसृजन व ज्ञान सरोवर समाचार पत्र द्वारा आयोजित कविसम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

अमित शिवकुमार दुबे,उप संपादक,महाराष्ट्र

ज्ञान सरोवर,मुम्बई।रा.सा.सा. व सांस्कृतिक न्यास काव्यसृजन व ज्ञान सरोवर समाचार पत्र के संयुक्त तत्वावधान में लिंक रोड,मुलुंड पश्चिम के सभागार में हौंसिला प्रसादष्अन्वेषीष् जी की अध्यक्षता में एक शानदार कवि सम्मेलन का आयोजन श्री पूजा प्रसाद पाण्डेय (सम्पादक ज्ञान सरोवर समाचार पत्र) द्वारा किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में संगीतकार दीपक गोहिल जी कार्यक्रम के अंत तक विराजमान रहे।विशिष्ट अतिथि विनोद ओबेराय जी व राजेन्द्र मर्दाने जी की गरिमामय उपस्थिति में श्री अमित शिवकुमार दुबे जी ने संचालन का कार्य शानदार तरीके से किया।संचालन में हास्य का पुट देकर श्री दुबे जी ने श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी।

महानगर के प्रख्यात कवि पं. जमदग्निपुरी, अवधेश विश्वकर्मा नमन, कल्पेश यादव,आत्मिक श्रीधर मिश्र, नरेन्द्र शर्मा खामोश", हौंसिला प्रसाद अन्वेषी ,कवयित्री लक्ष्मी यादव जी ने अपनी कसी हुई रचनाएं प्रस्तुत कर सभागार में उपस्थित गणमान्यों को ताली बजाने के लिए विवश कर दियाद्यपूजा प्रसाद पाण्डेय ने कई गणमान्यों का सम्मान शाल, श्रीफल और पुष्प गुच्छ से किया।जिसमें संगीतज्ञ दीपक गोहिल जी को ज्ञान सरोवर कलाधर सम्मान से, विनोद ओबेराय जी को "ज्ञान सरोवर समाज रत्न"से, राजेन्द्र मर्दाने जी को "ज्ञान सरोवर विज्ञान रत्न" से सम्मानित किया गया।अन्य सम्मानित अतिथियों में श्री बाबूराम चौधरी जी आध्यात्मिक प्रचारक,राजेश उपाध्याय जी मैक्स लाईफ इंश्योरेंस मुलुंड पश्चिम के ब्रांच मैनेजर,रवीन्द्र अग्रवाल जी,सामाजिक कार्यकर्ता,लालचंद्र यादव जी सामाजिक कार्यकर्ता,व डॉ.सचिन जी का सम्मान आदर पूर्वक कियाद्य

अध्यक्षीय उद्बोधन में अन्वेषी जी ने अयोजक व कवियों पर अपनी सूक्ष्म दृष्टि से अवलोकन करते हुए गहनतापूर्ण विवेचना रखी।खचाखच भरा सभागार आयोजन की सफलता की गवाही दे रहा था।अंत में पं.जमदग्निपुरी ने आभार प्रकट किया और आयोजन के समापन की घोषणा की।

# काव्यसृजन की अविस्मरणीय मासिक काव्य गोष्ठी सम्पन्न

रा.सा.सा.व सांस्कृतिक न्यास काव्यसृजन की 133 वीं मासिक काव्य गोष्ठी डॉ प्रमोद पल्लवित जी की अध्यक्षता में ऐरो एकाडमी सफेदपुल साकीनाका मुम्बई में अविस्मरणीय रूप से सम्पन्न हुईद्यसंचालन संगठन मंत्री माताप्रसाद शर्मा जी ने बड़ी ही खूबसूरती के साथ कियाद्यऐरो एकाडमी की मुखिया सौ.रीमा यादव जी की

उपस्थिति आयोजन को और सुन्दर बना दिया। यह आयोजन अविस्मरणीय इस लिए रहा कि हमारे दो मार्गदर्शक हौंसिला प्रसाद अन्वेषी व मोतीलाल बजाज जी तकनीक के सहारे अपना काव्य पाठ उपस्थित सभागार में लोगों के सम्मुख प्रस्तुत कियाद्यइनकी जीजीविसा को नमन है। उपस्थित कवियों में पं. जमदग्निपुरी, कल्पेश यादव, आत्मिकश्रीधर मिश्र,सजनलाल यादव, आनंद पाण्डेय केवल, डॉ प्रमोद पल्लवित, माताप्रसाद शर्मा,सौ.रीमा यादव, कु.स्नेहा शर्मा ने एक बढ़कर बढ़कर एक रचनायें प्रस्तुत कर आयोजन को सफल बनाया। पं.जमदग्निपुरी के मंत्रोच्चार के साथ उपस्थित लोगों ने सरस्वती का पूजन कियाद्यकल्पेश यादव जी ने वंदना कीद्यआभार आत्मिक जी ने प्रकट कियाद्यअध्यक्षीय उद्बोधन में पल्लवित जी ने सभी कवियों की विधिवत समीक्षा की और उत्साहवर्धन किया।

# खेलों के संचारक एवं उत्प्रेरक धुरंधर से शानदार मुलाकात....

इनसे मिलिए यह है –वी के अदितिजी. वर्तमान में ब्रह्म कुमारी,

मास मीडिया एवं चौनलो के प्रमुख जिम्मेदारियां के अतिरिक्त आजकल ब्रह्म कुमारी के खोलकूद विंग (**Sports Wing**) के राष्ट्रीय समन्वयक (**National Coordinator**) की जिम्मेदारियां को देख रही है. मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान मुझे स्पोर्ट्स विंग के भी सक्रियता को देखने का अवसर लगा. मुझे ऐसा लगता है कि वर्तमान में ओलंपिक, एशिया एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश (भारत) की स्थिति काफी सुधरी है और अब हम सिर्फ सहभागिता करने के लिए नहीं जा रहे हैं और विजेता भी हो रहे हैं मगर प्रतियोगिताओं में ज्यादातर मेडल के करीब – क्वार्टर फाइनल /सेमी फाइनल/ फाइनल राउंड तक पहुंचाने के बावजूद मानसिक अस्थिरता, आत्मबल की थोड़ी कमी एवं मनोवैज्ञानिक दबाव (**Pshycological Presure**) व एकाग्रता (**Concentration**) की थोड़ी कमी के कारण अंतिम राउंड तक अच्छा खेलने के बावजूद अंतिम राउंड तक पहुंच कट जा रहे हैं .

ऐसे में ब्रह्मकुमारी का उपयुक्त तथ्यों के ट्रेनिंग का कार्य, राष्ट्रीय हित में एक बहुमूल्य प्रयास कहा जा सकता है. अदितिजी अपने करियर की शुरुआत मीडिया से ही किया और चौनलों के इन्वेस्टिगेटिंग रिपोर्टिंग (खोजपरक) के कुछ तथ्यों के उजागर करने के लिए काफी चर्चित भी रही. बाद में उनके ब्रह्मकुमारी के पारिवारिक पृष्ठभूमि से जुड़े होने के कारण व संगठन के लिए पूरी तरह से समर्पित हो गई. उनके साथ भाई जगबीर सिंह (जो सेना बैकग्राउंड से संबंधित रहे हैं) भी खेल संभाग के राष्ट्रीय समन्वयक पद पर जिम्मेदारियां को सक्रियता से देख रहे हैं. कुछ घंटे के मुलाकात के दौरान अदितिजी ने अपने संगठन का एक टोपी और महाप्रसाद एवं भाई जगबीर सिंह ने एक डायरी भेंट किया. दोनों के सरल एवं हंसमुख, सुंदर स्वभाव से हर्षित हुआ. दोनों से ही खेलकूद पर बहुत बातें हुई और मिलकर अच्छा लगा. ससम्मान प्रेषित...

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार–सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)

# चर्चित लोकप्रिय बॉलीवुड कलाकार विशाल जेठवा से श्री ब्रह्माकुमारी (आबू पर्वत) (राजस्थान) में कल मुलाकात हुई .....

विशाल जेठवा, एक भारतीय टेलीविजन और फिल्म अभिनेता हैं। उन्हें सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले भारत का वीर पुत्र – महाराणा प्रताप में अकबर की भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है और मर्दानी 2 में सनी की भूमिका निभाने के लिए उन्हें ज़ी सिने अवार्ड्स (2020) एवं अन्य कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है. पृथ्वीराज चौहान सीरियल एवं मर्दानी दोनों में उन्होंने अपनी किरदारों से सभी को आकर्षित कर दिया था.. अभिनेता एक गुजराती हैं । उनका जन्म 6 जुलाई 1994 को नरेश और प्रीति जेठवा के घर हुआ था। उन्होंने ठाकुर कॉलेज ऑफ़ साइंस एंड कॉमर्स से स्नातक की पढ़ाई पूरी की.

मैंने अपने प्रिय ऐतिहासिक महाराणा प्रताप पर आधारित सीरियल एवं मर्दानी–2 फिल्म दोनों ही देखी थी और बहुत प्रभावित रहा था.. संजोग से मुझे ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा (ज्ञान सरोवर), आबू रोड (राजस्थान) द्वारा आयोजित मीडिया कांफ्रेंस में उनसे मिलने का अवसर मिला. यह भी संजोग रहा कि हम दोनों ने उनके माता जी के साथ एक ही साथ अतिथि भवन (VIP) मैं एक साथ खाना खाया एवं दो दिन लगभग साथ में ही व्यतीत किया.. उनसे एवं उनके मम्मी से मिलकर से बहुत खुशी हुई. .. आधे घंटे तक हम दोनों ने बातचीत की उनकी सरलता एवं आत्मीयता ने हमें मंत्र मुग्ध कर दिया।

–संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार – सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर).....

**ज्ञान सरोवर**
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।